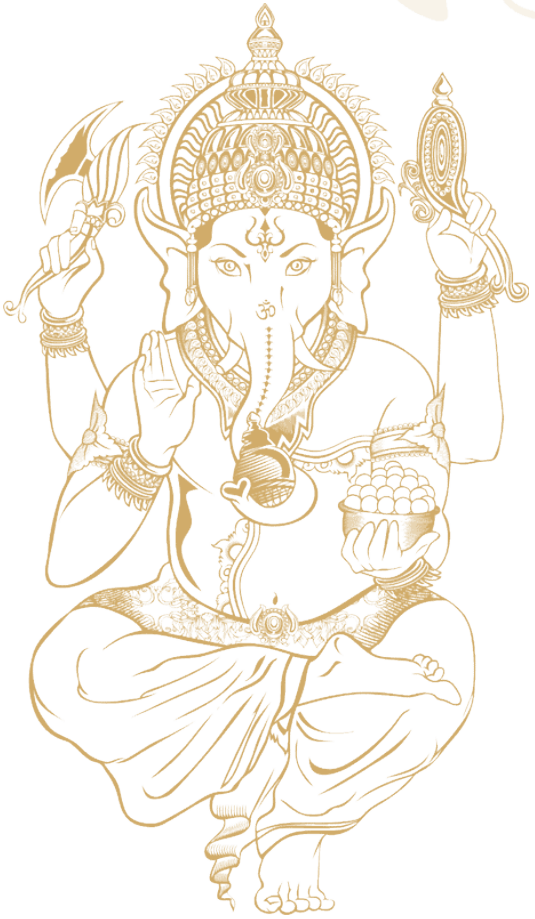

Prem singh

10 Aug 1989

05:00 PM

Agar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121027403

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/08/1989**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**17:00:00 घंटे**
इष्ट	27:31:35 घटी
स्थान	**Agar**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:44:00 उत्तर
रेखांश	76:01:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:25:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:34:04 घंटे
वेलान्तर	-00:05:21 घंटे
साम्पातिक काल	13:49:45 घंटे
सूर्योदय	05:59:21 घंटे
सूर्यास्त	19:02:46 घंटे
दिनमान	13:03:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	24:05:58 कर्क
लग्न के अंश	21:53:31 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	ब्रह्म
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	तो-तोरल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	21:53:31	356:07:48	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
सूर्य			कर्क	24:05:58	00:57:33	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	02:27:18	12:09:37	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	नीच राशि
मंगल		अ	सिंह	10:38:56	00:37:56	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
बुध			सिंह	15:10:14	01:33:38	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			मिथु	08:22:01	00:11:31	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	27:12:44	01:11:47	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	शत्रु राशि
शनि	व		धनु	14:22:44	00:02:52	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	02:08:29	00:00:34	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	02:08:29	00:00:34	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	08:00:09	00:01:26	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
नेप	व		धनु	16:20:18	00:01:12	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	---
प्लूटो			तुला	18:44:53	00:00:38	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	---
दशम भाव			तुला	05:47:44	--	चित्रा	--	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:42:53

लग्न-चलित

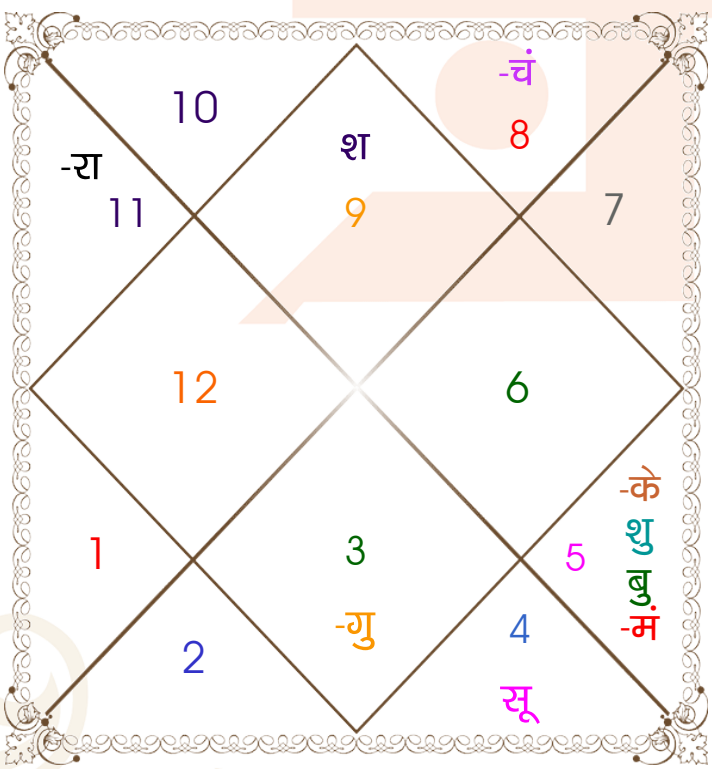

चन्द्र कुंडली

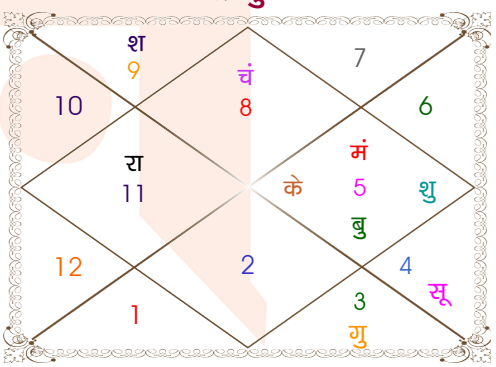

नवमांश कुंडली

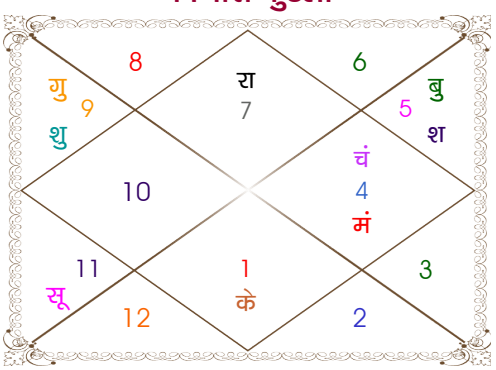

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 1 वर्ष 0 मास 19 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
10/08/1989		30/08/1990		30/08/2009		30/08/2026		30/08/2033	
30/08/1990		30/08/2009		30/08/2026		30/08/2033		30/08/2053	
	00/00/0000	शनि	02/09/1993	बुध	27/01/2012	केतु	26/01/2027	शुक्र	29/12/2036
	00/00/0000	बुध	12/05/1996	केतु	23/01/2013	शुक्र	27/03/2028	सूर्य	30/12/2037
	00/00/0000	केतु	21/06/1997	शुक्र	24/11/2015	सूर्य	02/08/2028	चंद्र	30/08/2039
	00/00/0000	शुक्र	21/08/2000	सूर्य	29/09/2016	चंद्र	03/03/2029	मंगल	30/10/2040
	00/00/0000	सूर्य	02/08/2001	चंद्र	01/03/2018	मंगल	30/07/2029	राहु	30/10/2043
	00/00/0000	चंद्र	04/03/2003	मंगल	26/02/2019	राहु	18/08/2030	गुरु	30/06/2046
	00/00/0000	मंगल	12/04/2004	राहु	14/09/2021	गुरु	25/07/2031	शनि	30/08/2049
	10/08/1989	राहु	17/02/2007	गुरु	21/12/2023	शनि	02/09/2032	बुध	30/06/2052
राहु	30/08/1990	गुरु	30/08/2009	शनि	30/08/2026	बुध	30/08/2033	केतु	30/08/2053

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
30/08/2053		30/08/2059		30/08/2069		30/08/2076		30/08/2094	
30/08/2059		30/08/2069		30/08/2076		30/08/2094		11/08/2109	
सूर्य	17/12/2053	चंद्र	30/06/2060	मंगल	26/01/2070	राहु	13/05/2079	गुरु	17/10/2096
चंद्र	18/06/2054	मंगल	29/01/2061	राहु	14/02/2071	गुरु	05/10/2081	शनि	01/05/2099
मंगल	24/10/2054	राहु	31/07/2062	गुरु	20/01/2072	शनि	11/08/2084	बुध	07/08/2101
राहु	18/09/2055	गुरु	30/11/2063	शनि	28/02/2073	बुध	01/03/2087	केतु	13/07/2102
गुरु	06/07/2056	शनि	30/06/2065	बुध	25/02/2074	केतु	18/03/2088	शुक्र	13/03/2105
शनि	18/06/2057	बुध	29/11/2066	केतु	25/07/2074	शुक्र	19/03/2091	सूर्य	31/12/2105
बुध	24/04/2058	केतु	01/07/2067	शुक्र	24/09/2075	सूर्य	11/02/2092	चंद्र	02/05/2107
केतु	30/08/2058	शुक्र	28/02/2069	सूर्य	30/01/2076	चंद्र	12/08/2093	मंगल	07/04/2108
शुक्र	30/08/2059	सूर्य	30/08/2069	चंद्र	30/08/2076	मंगल	30/08/2094	राहु	11/08/2109

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 1 वर्ष 0 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र के तृतीय चरण में धनु लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म लग्न के उदय के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका यह जन्म लग्नादिक संयोजन आपके आदर्श जीवन का आधारशिला आनंदपूर्ण पराकाष्ठा का सृजन करता है, जो आपके जीवन के लिए सुखद एवं उन्नति कारक प्रतीत होता है। आप स्वाभाविक रूप से निष्कपट व्यक्ति है। परंतु जन सामान्य के मध्य "जैसे को तैसा" वाले सिद्धांत के अनुयायी हैं। आप विश्वसनीयता पूर्वक निश्चित जीवन व्यतीत करेंगे।

आप प्रायः सदैव ही अपने पक्ष की रूपरेखा तैयार करने में लगे रहते हैं। आप आकर्षक व्यक्तित्व एवं उत्तम स्वास्थ्य के संबंध में सौभाग्यशाली हैं। आप थोड़ी शिक्षा प्राप्त करके भी बैल की सींग जैसी पैनी कार्य क्षमता द्वारा अपनी सफलता हेतु कार्य संपादन करते रहेंगे। आपमें जन्मजात अंतर्ज्ञान एवं शक्ति विद्यमान है। आप अपनी कार्य योजना के कार्यान्वयन हेतु पूर्व ही सभी तथ्यों का अध्यापन कर हर दृष्टिकोण से तत्पर रहते हैं एवं अपनी कार्य योजना पूर्णरूपेन संपन्न करने में सक्षम हो जाते हैं।

आप किसी भी तरह दो प्रकार चाल की विशेषताओं से मुड़ने की प्रवृति रखते हो। पहली बात तो यह है कि आप जूआ के प्रलोभन में फंसकर संतुष्ट होना चाहते हो। परिणाम स्वरूप क्षति उठाना पड़ता है। दूसरी बात यह कि आप धारा प्रवाह बात चीत करते हो। इस कारण मानवीय स्वाभाविक विश्वसनीयता अन्य लोगों की दृष्टि में नष्ट हो जाती है। आप सदैव स्पष्ट रूप से किसी भी बात को जन सामान्य के मध्य प्रकट कर के अन्यों के द्वारा छेड़-खानी के शिकार बनते हो। आप सदैव अपनी पैनी तीक्ष्ण शाब्दिक उच्चारण करके अन्य लोगों की आत्मा पर चोट पहुंचाते हो। इस कारण आप जब कभी अपना मैत्री पूर्ण अधिकार जताना चाहते हो तो तुम्हारे मित्र इस बातों का बहिष्कार करते हैं।

आप वैदेशिक लोगों के प्रति आकर्षित रहते हो। आप सदैव उनसे परिचय एवं संपर्क बढ़ाना चाहते हो एवं उनको अपनी दृष्टि में उच्चतम बनाकर अपना लेना चाहते हो। यदि आप सर्तकता पूर्वक वार्तालाप कर सम्पर्क में ले आएं तो यह संभाव्य है कि आप वैदेशिक भ्रमण कार्य पूरा कर सकते हैं।

आप निःसंदेह एक सुंदर भवन के स्वामी होंगे तथा अपनी प्यारी पत्नी एवं व्यवहार कुशल संतान से सुखी रह सकते हैं। परंतु आपमें बाहर भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है क्योंकि आप खेल-कूद तथा भ्रमण कार्य में व्यस्त रहकर घर से बाहर रहते हैं। अस्तु आप घर-गृहस्थी के लिए सक्षम नहीं हैं। आपके लिए कार्य व्यवसायों में अनुकूल एवं शानदार कार्य, कंपनी लॉ, वैदेशिक लोगों के साथ व्यापार संबंध स्थापित करना, शैक्षणिक कार्य, राजनीति कार्य एवं शैक्षणिक संबंधी कार्य एवं धार्मिक संस्थान के कार्य उत्तम हैं।

यदि आप निम्नांकित निर्देशों को ध्यान में रखकर कार्यों का प्रस्तुतीकरण करें तो बिना किसी भी व्यवधान के सफल हो जाओगे।

आपके लिए अंको में अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक सर्वथा अनुकरणीय है। परंतु अंक 2, 7 एवं 9 अंक अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में गुरुवार, एवं रविवार का दिन अनुकूल एवं शुभ फलदायक हैं, परंतु शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं समस्यापूर्ण रहेगा।

आपके लिए लाल, मोतिया एवं काले रंग को छोड़ कर शेष सफेद, क्रीम रंग, सूआपंखी रंग, नीला, हरा एवं नारंगी शुभ एवं अनुकूल हैं।